।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)
संपर्क सूत्र : 01565 224600
01565 224900 फेक्स
ई-मेल : **jstsdgh01565@gmail.com**

समता की साधना करने वाला होता है योगी

श्रीडूँगरगढ़ 26 दिसम्बर : युवाचार्य महाश्रमण ने प्रवचन करते हुए कहा कि जिसने मोह, माया को त्याग दिया और जिसने आत्म साधना के पथ पर अपने आपको समर्पित कर दिया वह सन्यासी होता है, उन्होनें कहा कि केवल वे-ा परिवर्तन से कोई सन्यासी या योगी नहीं बन जाता है। वे-ा का अपना मूल्य है उससे भी ज्यादा मूल्य फल परिवर्तन का है। जिसका क्ले-ा उप-ाम हो जाता हैं और समता की साधना करता है वह योगी होता है। युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि मात्र प्राणायाम करना ही योग नहीं हैं प्राणायाम योग का एक अंग है उन्होनें बैंगलोर से समागत ज्ञान-ाला के बालक-बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी में ज्ञान और त्याग दोनों का विकास होना चाहिए। बच्चों के भीतर जैन विद्या का ज्ञान पुश्ठ हो और उपासक, प्रि-िक्षक बनने की भावना के साथ संघ में योगदान देने का विचार भी पुश्ठ होना चाहिए। युवाचार्य ने भावि पीढ़ी का निर्माण होने पर समाज, धर्मसंघ और राश्ट्र के लिए महत्वूर्ण बताया।

मुमुक्षु सुनील की जनवरी में होगी मुनि दीक्षा

युवाचार्य महाश्रण ने प्रवचन के दौरान मुमुक्षु सुनील बम्ब के पारिवारिक जनो के द्वारा दीक्षा की अर्ज करने पर आचार्य महाप्रज्ञ की अनुमति से 27 जनवरी को चैन्नई में मुनि जिने-ा कुमार के द्वारा मुनि दीक्षा प्रदान किये जाने की घोशणा की । युवाचार्य महाश्रमण ने इससे पूर्व पारिवारिक जनों से मुमुक्षु सुनील के परखने एवं अनुमति के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर प्यारेलाल पीतलिया एवं मुमुक्षु सुनील ने भी अपने विचार रखें।

31 की :ाम काव्य संध्या के नाम

स्थानीय तेरापंथ भवन में नये साल की पूर्व संध्या पर 31 दिसम्बर को काव्य संध्या का आयोजन किया जायेगा। इस काव्य संध्या पर मुनिजनों के द्वारा आध्यात्मिक एवं प्रेरणा रस से सरोकार कविताओं मुक्तकों, गीतों और व्यग क्षणिकाओं की प्रस्तुतियां दी जायेगी।

सादर प्रका-ानार्थ : - **मीडिया संयोजक/सहसंयोजक**